राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बाजपुर

संस्कृत विभाग

Programme B.A

Programme Outcomes (POs)

1- साहित्य मानव संवेदना की अभिव्यक्ति का प्रमुख स्त्रोत रहा है। कलाओं में यह सम्पूर्ण कला है। साहित्य समाज का दर्पण है। स्नातक उपाधि में इस विषय के चयन एवं अध्ययन से विद्यार्थी को साहित्य के सागोपांग महत्व का ज्ञान होगा।

2- सहज एवं स्वाभाविक रूप से भाषा कौशल प्राप्त कर उनमें प्रभावशाली अभिव्यक्ति की क्षमता उत्पन्न होगी।

3- आत्मविश्वास से युक्त एवं नेतृत्व क्षमता के धारक होंगे।

4- मूल्य परक व्यक्तित्व से युक्त होकर भारतीयता के बोध के साथ वैश्विक नागरिक के रूप में भावी चुनौतियों का सामना करने में सक्षम होंगे।

5- विद्यार्थी संघ लोक सेवा आयोग एवं प्रादेशिक लोक सेवा आयोगों के परीक्षा पाठ्यक्रम में सम्मिलित संस्कृत साहित्य की आधार एवं अनिवार्य शिक्षा प्राप्त करेंगे।

6- विद्यार्थियों को लेखन वाचन एवं अध्ययन की दृष्टि से भाषागत दक्षता प्राप्त होगी।

Programme Specific Outcomes (PSOs)

UG Ist Year/Certificate Course Art With Sanskrit

1- सर्वाधिक वैज्ञानिक भाषा के रूप में संस्कृत भाषा के प्राचीन महत्व एवं उसकी वर्तमान प्रासंगिकता को जानने–समझने योग्य होंगे।

2. संस्कृत साहित्य के विभिन्न विषयों यथाकाव्य, नाटक,चम्पू, दर्शन,धर्मशात्र, नीतिशास्त्र, वास्तुशास्त्र, कर्मकाण्ड, व्याकरण इत्यादि से सुपरिचित होकर संस्कृत मर्मज्ञ बन सकेंके।

3. संस्कृत व्याकरण के विभिन्न अंगो के ज्ञान द्वारा भाषा के शुद्ध अध्ययन, लेखन एवं उच्चारण के माध्यम से अभिव्यक्ति कौशल का विकास होगा।

Programme Specific Outcomes (PSOs)

UG iind Year Diploma in Arts with Sanskrit

1- वैदिक एवं लौकिक संस्कृत साहित्य की समृद्धता एवं तन्निहित नैतिकता एवं आध्यात्मिकता को अनुभूत कर भारतीय संस्कृति के महत्व को वैश्विक स्तर तक पहुंचाने में सक्षम होंगे।

2- धर्म–दर्शन, आचार–व्यवहार, नीतिशास्त्र एवं भारतीय संस्कृति के मूल तत्वों को जानकर उत्तम चरित्रवान् मानव एवं कुशल नागरिक बनेंगे।

3- समसामयिक समस्याओं के समाधान के रूप में संस्कृत साहित्य में निबद्ध सर्वांगीणता के प्रति शोधपरक दृष्टि का विकास होगा।

Scanned with CamScanner

Programme Specific Outcomes (PSOs)
UG iiird Year/Bachelor of Arts with Sanskrit

1- विद्यार्थी स्नातक उपाधि वर्ष पाठ्यक्रम के अन्तर्गत मुख्य विषय के रूप में काव्यशास्त्र, दर्शन साहित्य का आधारभूत ज्ञान प्राप्त करेंगे।

2- पाठ्यक्रम के अन्तर्गत व्याकरण एवं उपनिषद का सामान्य परिचय प्राप्त करेंगे।

3- स्नातक उपाधि के पाठ्यक्रम में विद्यार्थी पुराण एवं स्तोत्रकाव्य का ज्ञान प्राप्त करेंगे।

4- विद्यार्थी पाठ्यक्रम के अन्तर्गत वेद एवं वैदिक साहित्य से परिचित होंगे।

5- पाठ्यक्रम के अन्तर्गत स्मृति साहित्य का अध्ययन कर उसके महत्व से परिचित होंगे।

6- कौटिल्य अर्थशास्त्र के अध्ययन से विद्यार्थी परिचित होंगे।

सेमेस्टर–I

Course Title:संस्कृत नीतिकाव्य एवं व्याकरण

Course Outcomes :

1- विद्यार्थी संस्कृत साहित्य का सामान्य परिचय प्राप्त कर नीतिकाव्य से परिचित हो सकेंगे।

2- संस्कृत नीतिकाव्य की सुगीतात्मकता का सौन्दर्य बोध कर सकेंगे।

3- नीतिकाव्य में प्रयुक्त नैतिक शिक्षा का बोध कर सकेंगे।

4- संस्कृत व्यायाकरण का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर उसकी वैज्ञानिकता से सुपरिचित हो सकेंगे।

5- संस्कृत वर्णो के शुद्ध उच्चारण कौशल का विकास होगा।

6- स्वर एवं व्यंजन के मूल भेद को समझकर पृथक अर्थावगमन की क्षमता उत्पन्न होगी।

7- स्वर व्यंजन एवं विसर्ग संन्धि का विशिष्ट ज्ञान एवं उनके अनुप्रयोग का कौशल विकसित होगा।

सेमेस्टर–I

Course Title:संस्कृत भाषा अध्ययन

Course Outcomes :

1- संस्कृत भाषा का अध्ययन करने से विद्यार्थियों में व्याकरण के प्रति रूचि उत्पन्न हो सकेगी।

2- संस्कृत भाषा का स्नातक कलावर्ग के अतिरिक्त वाणिज्य एवं विज्ञान वर्ग के विद्यार्थी भी पढ़ सकते हैं।

3- संस्कृत भाषा के ज्ञान से नैतिक मूल्यों, आध्यात्मिक मूल्यों को समझकर अपना लक्ष्य पूर्ण कर सकते हैं।

4- संस्कृत भाषा के अध्ययन से विद्यार्थी अन्य भाषा के स्त्रोत को सरलता से समझ सकते हैं।

Scanned with CamScanner

सेमेस्टर–II

Course Title:संस्कृत महाकाव्य,छन्दोऽलंकार एवं नाटक

Course Outcomes:

1- विद्यार्थी संस्कृत साहित्य का सामान्य परिचय प्राप्त कर, काव्य के विभिन्न भेदों से परिचित हो सकेंगे।

2- संस्कृत महाकाव्य के अध्ययन से उनमें निहित महान चरित्रों का अध्ययन कर आत्मसात करेंगे।

3- विद्यार्थी संस्कृत महाकाव्य में प्रयुक्त रस, छन्द अलंकारों को समझने की क्षमता प्राप्त करेंगे।

4- संस्कृत महाकाव्यों में निहित सूक्तियों एवं सुभाषित वाक्यों के माध्यम से विद्यार्थियों का नैतिक एवं चारित्रिक उन्नयन होगा।

5- संस्कृत नाटकों के अध्ययन से विद्यार्थी संस्कृत नाट्य साहित्य को सामान्य रूप से समझने में सक्षम होंगे।

6- नाटक की पारिभाषिक शब्दावली से सुपरिचित होंगे तथा संवाद एवं अभिनय कौशल में पारंगत होंगे।

सेमेस्टर–III

Course Title:काव्य, भारतीय संस्कृति एवं व्याकरण

Course Outcomes:

1- विद्यार्थी संस्कृत साहित्य का सामान्य परिचय प्राप्त कर काव्य रचनाओं से परिचित हो सकेंगे।

2- भारतीय सांस्कृतिक तत्वों एवं मूल्यों को आत्मसात कर भारतीयता के गर्व बोध से युक्त उत्तम नागरिक बनेंगे।

3- भारतीय संस्कृति के अध्ययन से विद्यार्थी संस्कृति की विशेषताओं से परिचित होंगे, जिससे उनका नैतिक एवं चारित्रिक उत्कर्ष होगा।

4- संस्कृत व्याकरण का ज्ञान प्राप्त कर उसकी वैज्ञानिकता से सुपरिचित हो सकेंगे।

सेमेस्टर–IV

Course Title:संस्कृत साहित्य, साहित्यकार परिचय एवं निबन्ध

Course Outcomes:

1- विद्यार्थी संस्कृत साहित्य का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर पद्यसाहित्य एवं गद्यसाहित्य से सुपरिचित हो सकेंगे।

Scanned with CamScanner

2- सम्बन्धित साहित्य के अध्ययन से पद्य साहित्य की का सौन्दर्य बोध कर सकेंगे।
3- सम्बन्धित साहित्य के माध्यम से उनका नैतिक एवं चारित्रिक उत्कर्ष होगा।
4- प्राचीन एवं अर्वाचीन संस्कृत साहित्यकारों के अध्ययन से प्रेरणा प्राप्त कर सकेंगे।
5- विद्यार्थियों में निबन्ध एवं अनुच्छेद लेखन क्षमता का विकास होगा।

सेमेस्टर–V

Course Title:I काव्यशास्त्र,दर्शन एवं व्याकरण

Course Outcomes:

1- विद्यार्थी काव्यशास्त्र के उद्भव और विकास से सुपरिचित होकर काव्यशास्त्रीय तत्वों को समझने में सक्षम होंगे।
2- भारतीय दार्शनिक तत्वों का सामान्य ज्ञान प्राप्त होगा।
3- दार्शनिक तत्वों के प्रति विश्लेषणात्मक एवं तार्किक क्षमता का विकास होगा।
4- व्याकरणशास्त्र के ज्ञान के माध्यम से शुद्ध वाक्य विन्यास कौशल का विकास होगा।

सेमेस्टर–V

Course Title:II उपनिषद, पुराण एवं स्त्रोत काव्य

Course Outcomes:

1- उपनिषद का सामान्य परिचय एवं निहित उपदेशों का अवबोध होगा।
2- पुराणों के अध्ययन से सांस्कृतिक एवं सामाजिक चेतना से परिचित होंगे।
3- स्त्रोत काव्य के रहस्य द्वारा सृष्टि कल्याणार्थ भाव विकसित होंगे।

सेमेस्टर–VI

Course Title: I वेद एवं वैदिक साहित्य

Course Outcomes:

1- विद्यार्थी वैदिक वाङ्मय एवं संस्कृति का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
2- वैदोक्त संदेशों एवं मूल्यों के माध्यम से आचरण का उदात्तीयकरण होगा।
3- वैदिक सूक्तों के माध्यम से विद्यार्थी को तत्कालीन आध्यात्मिक, सामाजिक एवं राष्ट्रीय परिदृश्य का निदर्शन होगा।
4- वर्तमान समय में वेदांग के ज्ञान द्वारा मानव कल्याणार्थ अग्रसर होंगे।

Scanned with CamScanner

सेमेस्टर–VI

Course Title: II स्मृति एवं कौटिल्य अर्थशास्त्र

Course Outcomes:

1- स्मृति साहित्य का सामान्य परिचय प्राप्त कर सकेंगे।
2- मनुस्मृति के माध्यम से भारतीय संस्कृति एवं संस्कार का अवबोध कर सकेंगे।
3- याज्ञवल्क्य स्मृति के अध्ययन से आचार एवं व्यवहार का सम्यक् ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
4- कौटिल्य अर्थशास्त्र के अध्ययन से अर्थनीति एवं राजनीति के मूलभूत सिद्धान्तों का अवबोध कर सकेंगे।

Programme B.A. IInd Year

Course Title:I संस्कृत पद्यकाव्य एवं संस्कृति

Course Outcomes:

1- विद्यार्थी संस्कृत साहित्य का सामान्य परिचय प्राप्त कर काव्य के विभिन्न भेदों से परिचित हो सकेंगे।
2- वह संस्कृत पद्य साहित्य की सुगीतात्मकता का सौन्दर्य बौध कर सकेंगे।
3- उनके काव्य में प्रयुक्त रस, छन्द, अलंकारों को समझने की क्षमता विकसित होगी।
4- पद्य में निहित सुक्तियों एवं सुभाषित वाक्यों के माध्यम से उनके नैतिक एवं चारित्रिक उन्नयन होगा।
5- विद्यार्थियों के शब्दकोष में वृद्धि होने के साथ–साथ वह संस्कृत श्लोकों के शुद्ध और सस्वर उच्चारण के कौशल में निपुण बनेंगे।
6- भारतीय संस्कृति के अध्ययन से विद्यार्थी संस्कृति की विशेषताओं से परिचित होंगे, जिससे उनका नैतिक एवं चारित्रिक उत्कर्ष होगा।
7- भारतीय सांस्कृतिक तत्वों एवं मूल्यों को आत्मसात् कर भारतीयता के गर्व बोध से युक्त उत्तम नागरिक बनेंगे।

Course Title:II संस्कृत गद्यकाव्य एवं व्याकरण

Course Outcomes:

1- विद्यार्थी संस्कृत गद्य साहित्य का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर गद्य काव्य के भेदों से सुपरिचित हो सकेंगे।
2- सम्बन्धित साहित्य के माध्यम से उनका नैतिक एवं चारित्रिक उत्कर्ष होगा।
3- राष्ट्रभक्ति की भावना प्रबल होगी तथा उत्तम नागरिक बनेंगे।

Scanned with CamScanner

4- अनुवाद कौशल में वृद्धि होगी।
5- संस्कृत गद्य के धारा प्रवाह एवं शुद्ध उच्चारण का कौशल विकसित होगा।
6- व्याकरण शास्त्र के ज्ञान के माध्यम से शुद्ध वाक्य विन्यास कौशल का विकास हो सकेगा।
7- व्याकरण परक शब्दों की सिद्धि प्रकिया से परिचित हो सकेंगे।

B.A IIIrd Year

Course Title:I वेद, उपनिषद एव निबन्ध

Course Outcomes:

1- विद्यार्थी वैदिक वाङ्मय एवं संस्कृति के ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
2- वेदोक्त संदेशों एवं मूल्यों के माध्यम से उपनिषद का सामान्य परिचय एवं निहित उपदेशों का अवबोध होगा। औपनिषिदिक संस्कृति के प्रति गौरव का बोध होगा।
3- विद्यार्थियों में निबन्ध एवं अनुच्छेद लेखन क्षमता का विकास होगा।

Course Title:II गीता, दर्शन एवं व्याकरण

Course Outcomes:

1- गीता ज्ञान रहस्य द्वारा सृष्टि कल्याणार्थ भाव विकसित होंगे।
2- दर्शन में विद्यमान नैतिक एवं कल्याणपरक तथ्यों से अमोत्कर्ष की अभिप्रेरणा प्राप्त होगी।
3- पदों की सिद्धि प्रकिया के माध्यम से शब्द निर्माण की वैज्ञानिकता से परिचित होंगे।
4- संस्कृत भाषा के शुद्ध उच्चारण एवं लेखन का कौशल विकसित होगा।

Scanned with CamScanner